M.G.S. UNIVERSITY
BIKANER
पाठ्यक्रम
SYLLABUS
महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय,
बीकानेर
Scheme of Examination and Course of study

FACULTY OF ARTS

कला संकाय

B.A. Part-II Examination-2019

बी.ए.पार्ट–IIपरीक्षा–2019

(10+2+3 Pattern)

FACULTY OF ARTS

कला संकाय

B.A. Part-II Examination-2019

बी.ए.पार्ट–IIपरीक्षा–2019

(10+2+3 Pattern)

B.A.II

JAINOLOGY,JEEVAN VIGYAN & YOGA

Scheme of examination

Two Question Papers	Duration	M.M.		Min. M.	Period per Week
First Question Paper	3 hours	75	150	54	6
Second Question Paper	3 hours	75			
Practical	5hours	50		18	4
				(20 student per batch)	

General instruction

1. There will be two theoretical papers (each of 75 marks) and one practical paper (50 Marks) student has to pass both theoretical and practical papers separately
2. 6 periods per week for two theoretical and 4 periods per week for practical classes of 20 students per batch is essential
3. This syllabus will be equally applicable to regular private and ex-student
4. Question Papers will be prepared in both Hindi and English languages.

PAPER –I

METAPHYSICS AND ETHICS

Time: 3 hours M.M. : 75

Note: Question paper will be divided into three section.

Section	Word limit of answer	Total questions	No of questions to be answered	Question wise marks-allocation	Max. Marks (75)	Selection of Questions by Examiner from the syllabus
A	50	10	10	2	20	It is necessary to set at least two questions from each unit
B	200	10	5	5	25	It is necessary to set at least two questions from each unit
C	500	5	3	10	30	It is necessary to set at least one questions from each unit
					75	

Unit – 1

JAIN METAPHSICS

A. Form of reality (Sat) Substance (Dravya), Attributes (Guna) Modes (Paryaya)
B. Six substance, atom (Parmaanu) Cosmology (lokavad)

Unit – 2

JAIN MATAPHYSICS

A. From of soul, Classification of soul proof of the existence of soul
B. Size of soul, soul-body relationship, Rebirth

unit -3

JAIN ETHICS

A. Foundation and form of jani ethics, Nine categories of truth (Navtatva) Three Jewels (Retnatraya)
B. Stages of spiritual development (Gunasthan) six essentials (Sadavashyak) ten Righteousness (Dharma)

Unit – 4

JAIN ETHICS

A. Ascetics code of conduct (Shramanachara) Laymen's code of conduct (Shravakachara) Laymen's renunciation eleven stages (Shravak ki pratima)
B. Jain life Style limit of possession, fasting up to death (Santhara)

Unit -5

JAIN ETHICS

A. Form of Non-violence, cruelty towards animals versus feeling of equanimity. Non-violence training
B. Anuvrata movement, Anuvrata code of conduct, Anuvrata Foundation of a Healthy Society, Field of Anurvrata.

Recommended Books :-

1. जैन तत्व मीमांसा और आचार मीमांसा, समणी डॉ. ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं।
2. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चूरू।
3. श्रावक सम्बोध, आचार्य तुलसी, आदर्श साहित्य संघ, चूरू।
4. जैन आगम में दर्शन, समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा, जैन विश्वभारती, लाडनूं।
5. जैन दर्शन, महेन्द्रकुमार नयायाचार्य, गणेशवर्णी संस्थान, नरिया,वाराणसी।
6. जैन तत्व मीमांसा– डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, बी.जैन पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
7. जीव–अजीव आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती लाडनूं।
8. जैन तत्व विद्या आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती, लाडनूं।

PAPER –II

JEEVAN VIGYAN AND HEALTH

Time: 3 hours M.M. : 75

Note: Question paper will be divided into three section.

Section	Word limit of answer	Total questions	No of questions to be answered	Question wise marks-allocation	Max. Marks (75)	Selection of Questions by Examiner from the syllabus
A	50	10	10	2	20	It is necessary to set at least two questions from each unit
B	200	10	5	5	25	It is necessary to set at least two questions from each unit
C	500	5	3	10	30	It is necessary to set at least one questions from each unit
					75	

Unit – 1

Jeevan Vigyan origin and development

A. ancient education system, Problems of present education system, Science of living origin and development.
B. Science of Living: Nature and Aim, Science of living : A new dimension of education, Indian culture and advantage of Science of Living, Relevance of Science of living in different fields.

Unit – 2

Main components of Jeeven Vigayan

A. Body and tools of its purification, Breathing and tools of its purification, vital energy and tools of its purification
B. Mind and tools of its purification, Emotion and tools of its purification, karma and tools of Karma-purification, psyche and tools of its purification

Unit – 3

Jeevan Vigyan and Value development

A. Value : meaning and definition, process of value acceptance, Role of family and society in development of values
B. Values in Science of Living – Social intellectual, mental moral and spiritual

Unit -4 :

Technique of Jeevan Vigyan and training

A. Anekant and its practical application, Non- violence and non-violent life style, Anuvrat : code of conduct Preksha Dhyan and its components
B. Training of brain, process of controlling senses (samveda) concept of salvation in education

Unit – 5

Jeevan Vigyan and Health

A. Concept of health, Determining factors of health, Concept of balanced diet and health
B. Physical health, Mental health, Emotional health

Recommended Books :-

1. जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य, डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा, समणी श्रेयस प्रज्ञा, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
2. जीवन विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
3. जीवन विज्ञानः शिक्षा का नया आयाम आचार्य महाप्रज्ञजैन विश्व भारती, लाडनूं।
4. जीवन विज्ञानः स्वस्थ्य समाज संरचना का संकल्प, आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
5. जीवन विज्ञान की रूपरेखा, मुनि धर्मेश कुमार, जैन विश्व भारती, लाडनूं।

6. अहिंसा और अणुव्रत, आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
7. प्रेक्षाध्यानः आधार और स्वरूप , आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
8. अमूर्त चिन्तन, आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
9. प्रेक्षाध्यान–स्वास्थ्य विज्ञान, भाग –1,2 मुनि महेन्द्र कमार,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
10. विज्ञान की कसौटी पर योग, स्वामी रामदेव, दिव्य योग मन्दिर,कनखल, हरिद्धार।

PRACTICAL : JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN & YOGA

Time : 5Hours M.M. : 50

Minimum Pass Marks : 18

Division of Marks

1. Practical work (written Part of 1.30 Hrs)
   Three questions are to be attempted out of 5 questions 21 Marks
2. Viva –voce 20 Marks
3. File work 9 Marks

Note :- their will be four periods for a batch of 20 students

Exercise :1

(a) Preliminary preparation of four phases of the Preksha Meditation, Yogic kriyaen : from head to toe and ten exercises of stomach and breathing, Longterm kayotsarga
Note : All these exercises are only of learning oral exam.

(b) Special Exercises : Sharir Preksha, Chaitnya Kendra Preksha

Exercise : 2

Asan – meaning, nature and importance

Lying Posture : (i) Pawanmuktasana (ii) Bhujangasan (iii) Shalbhasana

Sitting posture : (i) Vajrasana (ii) Shashankasana (iii) Paschimottanasana

Standing Posture : (i) Trikonsana (ii) Padahastasana (iii) konsana

Exercise :3

Pranayam – Meaining, Nature and Importance

(i) Ujjai (ii) shitali (iii) Bhastrika

Exercise : 4

Anupreksha : (i) Abhaya (Fearless) (ii) Maitri (friendliness) (iii) karuna (Compassion) (iv) Saha-Astitva (Co-existence) (v) Ahinsa (Non-violence)

Exercise : 5

Eight Exercises of Spinal for Change of Nature

Recommended Books :-

1. प्रेक्षाध्यानः प्रयोग पद्धति, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
2. आसन और प्राणायाम, मुनि किशनलाल,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
3. यौगिक क्रियाएं, मुनि किशनलाल,बी.जैन पब्लिशर्स (प्रा.लि.), दिल्ली।
4. आसन, प्राणायाम,मुद्रा और बन्ध, स्वामी सत्यानन्द,बिहार योग विद्यालय, गंगादर्शन, मुंगेर (बिहार)
5. आसन और प्राणायाम, स्वामी रामदेव,दिव्य योग मन्दिर,कनखल,हरिद्धार
6. योगासन एवं स्वास्थ्य, मुनि किशनलाल,बी.जैन पब्लिशर्स (प्रा.लि.), दिल्ली

बी.ए.द्वितीय
जैनविद्या,जीवन विज्ञान एवं योग
परीक्षा योजना

सैद्धान्तिक	अवधि	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
प्रथम प्रश्न पत्र	3 घण्टे	75	150		
द्वितीय प्रश्न पत्र	3 घण्टे	75		54	6
प्रायोगिक	5 घण्टे	50		18	4

(प्रत्येक बैच 20 विद्यार्थी)

सामान्य निर्देश :

1. कुल दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र (प्रत्येक पत्र 75 अंको का) व एक प्रायोगिक पत्र (50 अंक का) होगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक व प्रायोगिक पत्र में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. दोनों सैद्धान्तिक पत्रों के लिये प्रति सप्ताह 6 कालांश एवं प्रायोगिक पत्र में 20 विद्यार्थियों के प्रत्येक सप्ताह 4 कालांश होना आवश्यक है।
3. यह पाठ्यक्रम नियमित,स्वयंपाठी एवं पूर्व विद्यार्थी (Ex Student)के लिए समान रूप से लागू होगा।
4. प्रश्न पत्र हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगा।

प्रथम प्रश्न पत्र – तत्व एवं आचार मीमांसा

समय :3 घण्टे पूर्णांक : 75

नोट : इस प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित होगा।

खण्ड	प्रश्नोत्तर की शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नो की संख्या	प्रश्नवार अंक आंवटन	पूर्णांक (75)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	50	10	10	2	20	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न का होना आवश्यक है।
ब	200	10	5	5	25	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न का होना आवश्यक है।
स	500	5	3	10	30	एक इकाई में से एक प्रश्न
					75	

इकाई–1

जैन तत्व मीमांसा –

अ. सत् स्वरूप, द्रव्य–गुण–पर्याय।

ब. षड् द्रव्य, परमाणु लोकवाद।

इकाई–2

जैन तत्व मीमांसा –

अ. आत्मा का स्वरूप,आत्मा के भेद–प्रभेद,आत्मा के अस्तित्व की सिद्धि

आ. आत्मा का परिमाण,आत्मा–शरीर सम्बन्ध,पुनर्जन्मावाद

इकाई–3

जैन आचार–मीमांसा

अ. आचार का आधार और स्वरूप, नव तत्व,रत्नत्रय

आ. गुणस्थान,षडावश्यक,दस धर्म

इकाई– 4

जैन आचार मीमांसा :–

अ. श्रमणाचार,श्रावकाचार,ग्यारह प्रतिमा

आ. जैन जीवन शैली,अपरिग्रह,इच्छा परिमाण, संलेखना –संधारा

इकाई–5

जैन आचार–मीमांसा –

अ. अहिंसा का स्वरूप,पशु–पक्षियों के प्रति क्रुरता बनाम आत्मोपम्यता,अहिंसा–प्रशिक्षण

आ. अणुव्रत आन्दोलन,अणुव्रत संहिता,अणुव्रतः स्वस्थ समाज संरचना का आधार,अणुव्रत का कार्य क्षेत्र।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. जैन तत्त्व मीमांसा औरआचार मीमांसा, डॉ.समणी ऋजुप्रज्ञा,जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय,लाडनूँ।
2. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा,आचार्यश्री महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ,चूरू
3. श्रावक सम्बोध,आचार्य तुलसी,आदर्श साहित्य संघ,चूरू।
4. जैन आगम में दर्शन, डॉ. समणी मंगलप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय,लाडनूँ।
5. जैन दर्शन, महेन्द्र कुमार न्यायाचार्य,गणेशवर्णी संस्थान,नरिया व वाराणसी।
6. जैन तत्त्व मीमांसा–डॉ.आनन्द प्रकाश त्रिपाठी,बी.जैन पब्लिशर्स,नई दिल्ली।
7. जीव–अजीव आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्वभारती लाडनूं।
8. जैन तत्त्व विद्या आचार्य तुलसी,जैन विश्वभारती, लाडनूं।

द्वितीय प्रश्न पत्र – जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य

समय :3 घण्टे पूर्णांक : 75

नोट : इस प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित होगा।

खण्ड	प्रश्नोत्तर की शब्द सीमा	कुल प्रश्न	हल किये जाने वाले प्रश्नो की संख्या	प्रश्नवार अंक आंवटन	पूर्णांक (75)	पाठ्यक्रम में से परीक्षक द्वारा प्रश्नों का चयन
अ	50	10	10	2	20	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न का होना आवश्यक है।
ब	200	10	5	5	25	प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न का होना आवश्यक है।
स	500	5	3	10	30	एक इकाई में से एक प्रश्न
					75	

इकाई–1

जीवन विज्ञान : उद्भव और विकास

अ. प्राचीन शिक्षा प्रणाली, वर्तमान शिक्षा प्रणाली की समस्याएं,जीवन विज्ञानः उद्भव और विकास

आ. जीवन विज्ञान : अर्थ स्वरूप उद्देश्य, शिक्षा का नया आयाम–जीवन विज्ञान भारतीय संस्कृति और जीवन विज्ञान की उपयोगिता, विविध क्षेत्रों में जीवन विज्ञान की प्रसांगिकता।

इकाई–2

जीवन विज्ञान के मुख्य अंग :–

अ. शरीर और शरीर–शुद्धि के उपाय,श्वास और श्वास–शुद्धि के उपाय,प्राण और प्राण–शुद्धि के उपाय।

आ. मन और मन–शुद्धि के उपाय,भाव और भाव–शुद्धि के उपाय, कर्म और कर्म–शुद्धि के उपाय,चित्त और चित्त–शुद्धि के उपाय।

इकाई–3

जीवन विज्ञान और मूल्य विकास :–

अ. मूल्य अर्थ और परिभाषा,मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया,मूल्य विकास में परिवार और समाज की भूमिका।

आ. जीवन विज्ञान में निर्धारित मूल्य–सामाजिक, बौद्धिक, मानसिक,नैतिक व आध्यात्मिक, मूल्य विकास की प्रक्रियाः अनुप्रेक्षा

इकाई–4

जीवन विज्ञान की प्रविधियाँ और प्रशिक्षण –

अ. अनेकान्त और उसके व्यावहारिक प्रयोग,अहिंसा का स्वरूप और जीवन शैली में अहिंसा,अणुव्रत की आचार सहिता,प्रेक्षाध्यान और उसके अंग।

आ. जीवन विज्ञान और मस्तिष्क प्रशिक्षण,जीवन विज्ञान और संवेद प्रशिक्षण,जीवन विज्ञान और मुक्ति की अवधारण।

इकाई–5

जीवन विज्ञान और स्वास्थ्यः–

अ. स्वास्थ्य की अवधारण एवं परिभाषां,निर्धारक तत्त्व,संतुलित आहार और स्वास्थ्य।

आ. शारीरिक स्वास्थ्य,मानसिक स्वास्थ्य और भावात्मक स्वास्थ्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य,डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा श्रेयस प्रज्ञा,जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय,लाडनूं।
2. जीवन विज्ञानः सिद्धांत और प्रयोग,आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारती,लाडनूं।
3. जीवन विज्ञानः शिक्षा का नया आयाम,आचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारती,लाडनूं।
4. जीवन विज्ञानः स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती,लाडनूं।
5. जीवन विज्ञान की रूपरेखा,भूमि धर्मेश कुमार, जैन विश्व भारती,लाडनूं।
6. अहिंसा और अणुव्रत,आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती,लाडनूं।
7. प्रेक्षाध्यानः आधार और स्वरूप,आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती,लाडनूं।
8. अमूर्त्त चिन्तन,आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती,लाडनूं।
9. प्रेक्षाध्यान–स्वास्थ्य विज्ञान,भाग–1,2, मुनी महेन्द्र कुमार, जैन विश्व भारती,लाडनूं।
10. विज्ञान की कसौटी पर योग, स्वामी रामदेव,दिव्य योग मन्दिर कनखल,हरिद्वार

प्रयोगिकः जैनविद्या जीवन विज्ञान एवं योग

अवधि : 5 घण्टे पूर्णांक : 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक –18

अंक योजना –

1. प्रयोगशाला कार्य (लिखित प्रश्न पत्र 1.30घण्टे अवधि) पांच प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना आवश्यक है। 21 अंक
2. मौखिक –समग्र अभ्यास से परीक्षार्थी प्रयोगों को करके एवं कराकर के करेंगे (दो परीक्षार्थी एक साथ) 20 अंक

3. अभिलेख कार्य (फाईल रिकॉर्ड) 9 अंक

कालांश– 20 विद्यार्थियों के प्रत्येक बैच के लिए 4 कालांश होंगे।

(अ) प्रेक्षाध्यान–पूर्व तैयारी एवं ध्यान के चारों चरण, यौगिक क्रियांए मस्तक से पंजे तक तथा पेट और श्वास की दस क्रियाएं, दीर्घकालीन कायोत्सर्ग।

नोट :– उपर्युक्त प्रयोग केवल अभ्यास एवं मौखिक परीक्षा के लिए है। प्रायोगिक परीक्षा के लिखित में उससे प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

(ब) विशेष अभ्यास–शरीर प्रेक्षा,चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा।

अभ्यास 2आसन :

शयन स्थान– 1 पवनमुक्तासन, 2. भुजंगासन, 3. शलभासन।

निषीदन स्थान– 1. वज्रासन, 2. शशांकासन, 3. पश्चिमोत्तानासन।

ऊर्ध्व स्थान– 1. त्रिकोणासन, 2. पादहस्तासन, 3. कोणासन

अभ्यास 3. प्राणायाम–अर्थ स्वरूप एवं महत्व

1. उज्जायी, 2. शीतली, 3. भस्त्रिका

अभ्यास 4. अनुप्रेक्षा – 1. अभय, 2. मैत्री, 3. करूणा, 4. सह–अस्तित्त्व, 5. अहिंसानुप्रेज्ञा।

अभ्यास 5. स्वभाव परिवर्तन हेतु मेरूदण्ड की आठ क्रियाएं।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. प्रेक्षाध्यानः प्रयोग पद्धति, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
2. आसन और प्राणायाम, मुनि किशनलाल,जैन विश्व भारती, लाडनूं।
3. यौगिक क्रियाएं, मुनि किशनलाल,बी.जैन पब्लिशर्स (प्रा.लि.), दिल्ली।
4. आसन, प्राणायाम,मुद्रा और बन्ध, स्वामी सत्यानन्द,बिहार योग विद्यालय, गंगादर्शन, मुंगेर (बिहार)
5. आसन और प्राणायाम, स्वामी रामदेव,दिव्य योग मन्दिर,कनखल,हरिद्धार
6. योगासन एवं स्वास्थ्य, मुनि किशनलाल,बी.जैन पब्लिशर्स (प्रा.लि.), दिल्ली